भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2112
16/12/2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्रयान परियोजना

2112 श्री टी.जी. वेंकटेश :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गहरे समुद्र में दुर्लभ खनिजों के अन्वेषण के लिए समुद्रयान परियोजना आरंभ की है और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान ने हल्के इस्पात से बने 'पर्सनल स्फीयर'को बनाया था और समुद्री अनुसंधान जल पोत सागर निधि का उपयोग करते हुए इसका मानवरहित परीक्षण बंगाल की खाड़ी में किया है;
(ख) यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ। भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए डीप ओशन मिशन के तहत गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए एक मानवयुक्त वैज्ञानिक पनडुब्बी विकसित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस परियोजना का नाम समुद्रयान रखा गया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान, राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान ने 500 मीटर पानी की गहराई की रेटिंग के लिए एक मानवयुक्त पनडुब्बी प्रणाली के लिए एक 'पर्सनल स्फीयर' को विकसित और परीक्षण किया था।

(ख) 500 मीटर पानी की गहराई तक क्रू मॉड्यूल के रूप में उपयोग किए जाने वाले 2.1 मीटर व्यास के पर्सनल स्फीयर को हल्के स्टील का उपयोग करके विकसित किया गया है और अक्टूबर 2021 के दौरान अनुसंधान पोत सागर निधि का उपयोग करके बंगाल की खाड़ी में 600 मीटर पानी की गहराई तक परीक्षण किया गया है।

(ग) विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, इसरो, तिरुवनंतपुरम के सहयोग से 6000 मीटर पानी की गहराई की रेटिंग के लिए मानवयुक्त पनडुब्बी प्रणाली के लिए एक टाइटेनियम मिश्र धातु पर्सनल स्फीयर का विकास किया जा रहा है।

*****